राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSC
हिंदी साहित्य में भारतबोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-20 हिंदी साहित्य में भारतबोध	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित करवाना।
- भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित करना।
- हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतबोध की संकल्पना **(12 घंटे)**

- भारतीय दृष्टि से भारत का अनुशीलन : प्राच्यवाद, भारतविद्या, भारतबोध
- भारतीय समाज एवं संस्कृति
- भारतीय जीवन-दृष्टि, भारत का लोक और लोकप्रज्ञा
- वि-उपनिवेशीकृत भारतीय चित्त / मानस

इकाई – 2 : भारतीय साहित्य और भारतबोध **(12 घंटे)**

- वैदिक वांग्मय, पुराण एवं उपनिषद्, संगम साहित्य, बौद्ध एवं जैन साहित्य – संक्षिप्त परिचय
- भारतीय भक्ति काव्य – सामान्य परिचय
- भारतीय पुनर्जागरण / नवजागरण एवं भारतीय साहित्य
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन एवं भारतीय साहित्य

हिन्दी विभाग दिल्ली-7 दिल्ली विश्वविद्यालय

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य और भारतबोध – 1 (पाठ आधारित) **(9 घंटे)**

- राम-भरत संवाद – अयोध्या कांड (रामचरितमानस)
- भारतीय सामाजिक संरचना से संबंधित कविता – सखी वह मुझसे कहकर जाते (यशोधरा)
- भारतीय संस्कृति से संबंधित कविता – कालीदास सच सच बतलाना, बादल को घिरते देखा है (नागार्जुन)
- भारतीय जीवन-दृष्टि / दर्शन से संबंधित कविता – लहर (कविता), अरुण यह मधुमय देश हमारा (चंद्रगुप्त), तुमुल कोलाहल कलह में, मैं हृदय की बात रे मन (कामायनी)

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और भारतबोध – 2 (पाठ आधारित) **(12 घंटे)**

- हिंदी नवजागरण : भारत जननी (नाटक) – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन : यह मेरी मातृभूमि है (कहानी) – प्रेमचंद
- आधुनिक भारत का निर्माण : परती परिकथा (प्रारंभिक 50 पृष्ठ) – फणीश्वरनाथ रेणु
- वि-उपनिवेशिकरण की प्रक्रिया : तुलसी के हिय हेरि (निबंध) – विष्णुकांत शास्त्री

सहायक ग्रंथ:

1. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. वर्मा, महादेवी; भारतीय संस्कृति के स्वर, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. अग्रवाल, वासुदेवशरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली।
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण; राष्ट्र, धर्म और संस्कृति, हनुमानप्रसाद शुक्ल (संपादक), प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. उपाध्याय, भगवतशरण; भारत की संस्कृति की कहानी, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
6. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; मध्यकालीन धर्म साधना, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. धर्मपाल; भारतीय चित्त मानस एवं काल, पुनरुत्थान ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात।
8. वर्मा, निर्मल; भारत और यूरोप: प्रतिश्रुति के क्षेत्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. टंडन, डॉ. हरिहरनाथ; वार्ता साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश।
10. पांडेय, नंद किशोर; भारतबोध और भक्ति कविता, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
11. दीपक, जे. साई; इंडिया अर्थात भारत : उपनिवेशिकता, सभ्यता, संविधान, ब्लूमसबरी इंडिया।
12. निगम, आदित्य; आसमां और भी हैं: वैचारिक स्वराज के तक़ाज़े, सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. कुमार, चंदन; संत-भक्त परंपरा का भारतबोध, विश्वभारती पत्रिका, जुलाई-सितंबर 2024 अंक, पृष्ठ 9-17
14. थरूर, शशि; अंधकार काल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतबोध : सनातन और सामयिक, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. Coomaraswamy, Ananda K; Introduction to Indian Art, Munshiram Manohar Lal Publishers.
17. Elliot & Dowson, Sir H M & Prof. John; The History of India, As Told by its Own Historian, Sushil Gupta (India) Ltd, Calcutta.